(F) जनसंख्या शिक्षा
(Population Education)

जनसंख्या शिक्षा का अर्थ (Its Meaning)

जनसंख्या शिक्षा एक ऐसा प्रेरणा यंत्र है जो भावी माता-पिता में परिवार नियोजन को जीवन का एक अंग स्वीकार करने की इच्छा को दृढ़ करता है। **डॉ० वी० के० आर० वी० राव** के शब्दों में—*"जनसंख्या शिक्षा प्रमुख रूप से ऐसी प्रेरणा शक्ति है जो परिवार की सीमा एवं परिवार नियोजन की आवश्यकता के प्रति उचित दृष्टिकोण पैदा करती है और इसे काम शिक्षा तथा परिवार नियोजन पद्धतियों से नहीं जोड़ा जाना चाहिये।"* डॉ० राव ने जनसंख्या शिक्षा का संबंध मानवीय साधनों के विकास से बताया क्योंकि परिवारों की संख्या एवं सीमा शिक्षा के गुणात्मक स्तर एवं सुविधाओं में सुधार को निश्चित करती है। सन् 1969 में जनसंख्या शिक्षा पर **NCERT** द्वारा आयोजित विचारगोष्ठी के अनुसार—*"जनसंख्या की शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में यह बोध विकसित करना है कि परिवार का आकार नियंत्रित किया जा सकता है, परिवार की सीमा से उच्च स्तर के जीवन का विकास होता है तथा छोटे परिवार से आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होती है।"* इसी प्रकार 1979 में बैंकाक में **यूनेस्को** द्वारा आयोजित एक विचारगोष्ठी के अनुसार—*"जनसंख्या की शिक्षा के अन्तर्गत हम परिवार, समाज, राष्ट्र तथा संसार की जनसंख्या की परिस्थिति के बारे में अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों में परिस्थिति के प्रति तर्कपूर्ण, दायित्वपूर्ण अभिवृत्ति तथा व्यवहार विकसित करना है।"*

Scanned by TapScanner

हारोल्ड ही ने जनसंख्या शिक्षा की परिभाषा इस प्रकार दी है—"यह केवल जनसंख्या की गतिशीलता की शिक्षा है। इसे संवेगात्मक बातों, जैसे—काम, परिवार नियोजन के तरीके आदि से अलग रखा जाता है।"

किसी ने ठीक ही कहा है—*"A Nation worried to feed 50 thousand fresh mouth ever morning can not hope to survive in future."*

जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व (Its Need and Importance)—भारत में अपार जनसंख्या एवं विकास की धीमी गति के कारण जनसंख्या की समस्या इतनी गंभीर बन गई है कि उसका हल ढूँढने के लिये प्रत्येक क्षेत्र में प्रयास किये जाने चाहियें। **एम० फिलिप** के शब्दों में—*"अब समय आ गया है कि बीसवीं सदी के स्कूलों के पाठ्यक्रम में बीसवीं सदी की जनसंख्या की प्रवृत्ति तथा परिणामों का अध्ययन कराया जावे।"* अब यह आभास कर लिया गया है कि परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये, जन्मदर में कमी लाने के लिये तथा जनसंख्या विस्फोट को रोकने के लिये सभी स्तरों पर शिक्षा संस्थाओं को उपयुक्त जनसंख्या संबंधी शिक्षा प्रदान करनी चाहिये। **डॉ० वी० के० आर० राव** ने राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिये जनसंख्या की शिक्षा को आवश्यक बताया है। जनसंख्या की शिक्षा द्वारा सीमित परिवार, परिवार नियोजन, स्वास्थ्य, भोजन आदि के प्रति वांछनीय प्रवृत्तियों का विकास किया जा सकता है। परिवार नियोजन की दृष्टि से भी जनसंख्या शिक्षा आवश्यक है। जनसंख्या को सीमित करने के लिये यह आवश्यक है कि हम उन युवक तथा युवतियों पर ध्यान दें जो आने वाले दस वर्षों में स्वयं माता-पिता का स्थान ले लेंगे। इस दृष्टि से माध्यमिक स्कूलों तथा कॉलेजों में जनसंख्या की शिक्षा का प्रबंध होना चाहिये। **डॉ० लुल्ला व डॉ० मूर्ति** के शब्दों में—*"कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति आधुनिक समय के संदर्भ में जनसंख्या-शिक्षा के महत्व एवं आवश्यकता की उपेक्षा नहीं कर सकता है।"*

"No thoughtful person can ignore the need and importance of population education in the context of modern times." —**Dr. Lulla & Dr. Murty**

जनसंख्या विस्फोट के निम्नलिखित दुष्परिणाम हैं—

(1) गरीबी (Poverty)
(2) कीमतों में निरन्तर वृद्धि (Rising Prices)
(3) खाद्य समस्या (Food Problem)
(4) बेरोजगारी (Unemployment)
(5) आवास की कमी (Lack of Accomodation)
(6) परिवहन की समस्या (Transport Problem)
(7) सामाजिक स्थिरता (Social Stagnation)
(8) निरक्षरता (Illiteracy)

जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्य (Its Aims)—जनसंख्या शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों के जीवन को सुखी बनाकर देश को समृद्ध करना है। इस प्रकार जनसंख्या शिक्षा में मानवीय संबंध तथा विकासात्मक उद्देश्य दोनों का समावेश किया जाता है। संक्षेप में, जनसंख्या शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं—

(1) छात्रों में जनसंख्या शिक्षा के प्रति रुचि एवं अभिवृत्ति का विकास करना।
(2) छात्रों को जनसंख्या संबंधी सरकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों से अवगत कराना।
(3) छात्रों को यह ज्ञान देना कि जीवन स्तर को किस प्रकार ऊँचा उठाया जा सकता है तथा परिवार को कैसे सीमित रखा जा सकता है।
(4) जनसंख्या शिक्षा प्रदान करने के लिये समुचित शिक्षण सामग्री तैयार करना।
(5) छात्रों को जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का ज्ञान कराना।

Scanned by TapScanner

(6) छात्रों को मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों को समझाना।

(7) छात्र में परिवार, समाज तथा देश के प्रति एक स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना।

(8) जनसंख्या शिक्षा के माध्यम से देश के आर्थिक विकास में सहायता पहुँचाना।

Scanned by TapScanner